भारत सरकार

नागर विमानन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न संख्या : 698

दिनांक 6 फरवरी , 2020 / 17 माघ, 1941 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

केन्द्रीयकृत पहुंच नियंत्रण पद्धति

698. **श्री श्रीधर कोटागिरी:**
श्री मंगुटा श्रीनिवासुलू रेड्डी:
श्री बेल्लाना चन्द्रशेखर:
श्री एन. रेड्डप्प:
श्री एम. वी. वी. सत्यनारायण:
श्री पोचा ब्रह्मानंद रेड्डी:
श्री अदला प्रभाकर रेड्डी:

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने विमानपत्तनों पर सुरक्षा बढ़ाने और व्यापार करने को सुगम बनाने हेतु बॉयोमीट्रिक समर्पित केन्द्रीयकृत पहुंच नियंत्रण पद्धति (सीएसीएस) और ई-वीसीएएस परियोजना प्रशिक्षण माड्यूल आरंभ किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या इस पहल से व्यापार करने में सुगमता होगी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री हरदीप सिंह पुरी)

(क): जी हां। हवाईअड्डों पर कारोबार करने में आसानी (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) के लिए और सुरक्षा में वृद्धि करने के लिए केंद्रीयकृत पहुँच नियंत्रण प्रणाली (सीएसीएस) और ई-बीसीएएस प्रशिक्षण मॉड्यूल परियोजनाएं आरंभ की गई हैं।

(ख): सीएसीएस परियोजना बायोमीट्रिक युक्त स्मार्ट कार्ड आधारित हवाईअड्डा प्रवेश परमिट (एईपी) जारी करने के लिए है और रेडियो फ्रीक्वेंसी आईडेंटिटी (आरएफआईडी) आधारित स्वचालित वाहन प्रवेश नियंत्रण प्रणाली, कर्मचारियों/स्टाफ और हवाईअड्डे के वाहनों को टर्मिनल, जोन और गेट के अनुसार सुरक्षित और विनियमित प्रवेश कराने के लिए है। ई-बीसीएएस प्रशिक्षण मॉड्यूल, स्टेकधारकों को नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) द्वारा आयोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए नामांकन हेतु पोर्टल पर अपना नाम पंजीकृत करने के लिए है।

(ग): जी हां। सीएसीएस और ई-बीसीएएस प्रशिक्षण मॉड्यूल परियोजनाएं निम्नलिखित तरीके से 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा देती हैं:

- सीएसीएस परियोजना में एईपी के आवेदन को डिजीटल किए जाने की परिकल्पना की गई है और इससे मानवीय इंटरफेस में कमी आएगी।
- प्रशिक्षण के लिए नामांकन, अनुमोदन, परिणामों की घोषणा और प्रमाणपत्रों को निकालने की प्रक्रिया को ई-बीसीएएस प्रशिक्षण मॉड्यूल के अंतर्गत डिजीटल प्लेटफार्म पर संसाधित किया जाता है।

about:blank